मोहयाल मित्र

सर्वे भवंतु सुखिनः। सर्वे संतु निरामयाः। सर्वे भद्राणि पश्यंतु मा कश्चित् दुःखभागभवेत्ः।।

चौधरी रामभज दत्त स्मारक (वेद मंदिर) दीनानगर

किसी भी मोहयाल स्वतंत्रता–सेनानी और समाज–सुधारक की स्मृति में बनने वाले स्मारकों में चौधरी रामभज दत्त की स्मृति में बनने वाला यह **पहला स्मारक** है। यह अवाँखा नामक स्थान पर बना हुआ है जो दीनानगर (गुरदासपुर) में है। इस स्मारक की आधारशिला महात्मा गाँधी की पत्नी श्रीमती कस्तूरबा गाँधी ने 16 जुलाई 1934 को रखी थी। इसका निर्माण राजा बलदेवदास बिड़ला ने कराया था। इसका उद्घाटन सन् 1945 में स्वर्गीय पंडित रामभज दत्त चौधरी के मंझले बेटे पंडित रणधीर दत्त चौधरी ने किया था। जिसमें बिड़ला परिवार भी शामिल हुआ था।

पंडित रामभज दत्त चौधरी का जन्म 26 फरवरी 1866 को मोहयाल ब्राह्मण चौधरी राधाकृष्ण दत्त के यहाँ कंजरूड़ में हुआ था। उन्होंने फ़ोरमन क्रिश्चयन कॉलेज लाहौर से स्नातक और फिर लॉ की उपाधि प्राप्त करके लाहौर उच्च न्यायालय में वकालत की थी।

उनके और उनके परिवार के विषय में प्रसिद्ध लेखक नरेश दीनानगरी ने पुस्तक 'युग पुरुष पंडित रामभज दत्त चौधरी, उनका परिवार एवं स्मारक' लिखी है। इसका लोकार्पण पंडित रामभज दत्त चौधरी के 152वें जन्म–दिन पर अवाँखा (दीनानगर, गुरदासपुर) में उनके स्मारक स्थान पर पंजाब की शिक्षा मंत्री श्रीमती अरुणा चौधरी ने 28 फरवरी 2018 को किया था। इस अवसर पर उनके पड़–भतीजे अशोक दत्त चौधरी विशिष्ट अतिथि थे। श्रीमती अरुणा चौधरी ने पंजाब सरकार की ओर से स्मारक के लिए 5 लाख रुपए भेंट किए थे।

इस पुस्तक में लेखक नरेश दीनानगरी ने पंडित रामभज जीवन के उन पक्षों पर प्रकाश डाला है जिसके विषय में लोगों को बहुत कम जानकारियाँ हैं। लेखक के अनुसार जब 28 दिसंबर 1885 को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना हुई तो पंडित रामभज दत्त इसके संस्थापक सदस्य बन गए। वे पंजाब कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भी रहे। उनका विवाह सरला देवी घोषाल से हुआ जो रवींद्रनाथ टैगोर की सगी भानजी थीं। वे गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की बड़ी बहन स्वर्ण कुमारी देवी की पुत्री थीं। महात्मा गाँधी द्वारा चलाए गए आंदोलनों में पति–पत्नी ने बढ़–चढ़कर भाग लिया था। विवाह के पश्चात् सरला देवी चौधरानी के नाम से प्रसिद्ध हुई। महात्मा गाँधी लाहौर आने पर उनके घर में ठहरते थे और सरला देवी चौधरानी को अपनी बहन मानते थे। पंडित रामभज दत्त चौधरी और उनकी पत्नी ने मिलकर मुलतान, झंग, गुजरांवाला, सियालकोट और लायलपुर में हिंदू सहायक सभाएँ स्थापित की थीं। वे लाला लाजपत राय के साथी थे। वे पत्रकार और कवि भी थे। उन्होंने पत्नी सरला देवी चौधरी के साथ मिलकर दीपक (उर्दू दैनिक) और हिंदुस्थान (अंग्रेजी साप्ताहिका समाचार–पत्र प्रकाशित किए। महात्मा गाँधी उनकी पंजाबी कविताओं के प्रशंसक थे, जिन्हें कांग्रेस अधिवेशनों में गाया जाता था। पंडित रामभज दत्त चौधरी अन्य क्रांतिकारियों की तरह आर्य समाज से प्रभावित थे। उन्होंने अपना जीवन आर्य समाज को भेंट कर दिया था। उन्होंने छुआछूत के विरुद्ध आंदोलन छोड़ा और सन् 1912 और सन् 1921 में 'अखिल भारतीय शुद्धि सभा' के अध्यक्ष के रूप में ज़िला गुरदासपुर (विभाजन पूर्व) में 5 लाख निर्धन, दलित, हरिजनों का शुद्धिकरण करके फिर से हिंदू आर्य समाज का अंग बना दिया। उन्होंने उन्हें 'महाशय' नाम दिया। यह महाशय सन् 1932 से पंडित रामभज दत्त चौधरी का जन्म–दिन मनाते आ रहे हैं। उन्होंने ही मिलकर उनकी स्मृति में स्मारक बनवाया जिसे आर्थिक सहायता बलदेवदास बिड़ला ने दी।

महान स्वतंत्रता–सेनानी, समाज सुधारक, आर्य समाजी पंडित रामभज दत्त चौधरी का निधन 6 अगस्त 1923 को मसूरी में हो गया। श्री नरेश दीनानगरी (लेख) और अशोक दत्त चौधरी ने इस पुस्तक द्वारा ऐतिहासिक और प्रशंसनीय कार्य किया है। उनका साधुवाद!

अशोक लव *(हिंदी संपादक मोहयाल मित्र)*

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

स्थानीय मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

फरीदाबाद

मोहयाल सभा फरीदाबाद की मासिक बैठक 1 अप्रैल 2018 को मोहयाल भवन फरीदाबाद में प्रधान श्री रमेश दत्ता जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें लगभग 25 मोहयाल भाई बहन उपस्थित थे।

शोकः श्री दीपक बाली जी की माता जी श्रीमती ममता बाली पत्नी स्वर्गीय श्री महेन्द्रपाल बाली का निधन 13 मार्च 2018 को हुआ। उनकी रस्म पगड़ी 17 मार्च 2018 को हुई। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

रायज़ादा के.एस. बाली जी ने पिछले माह की रिपोर्ट पढ़कर सुनाई। उन्होंने बताया कि श्री विनय बाली जी की पत्नी मेट्रो अस्पताल में दाखिल है जिसकारण आज वो सभा में उपस्थित नहीं हो पाए, सभी ने उनकी पत्नी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

श्री नागेंद्र दत्ता जी ने सभी को अवगत करवाया की मोहयाल सभा, वेस्ट ज़ोन नई दिल्ली के प्रधान श्री के.जी. मोहन से बातचीत हुई थी, जिसमें उन्होंने क्रिकेट मैच के लिए 15 अप्रैल या 29 अप्रैल दोनों में से किसी भी दिन निश्चित किया जा सकता है। तारीख तय होने पर खिलाड़ियों को सूचित कर दिया जाएगा।

प्रधान जी ने बताया कि शायद दो तीन दिन की छुट्टी होने के कारण लोग घूमने गए हुए हैं, जिस कारण आज सदस्यों की संख्या बहुत कम है उन्होंने बताया कि आज के खाने की व्यवस्था श्री नागेंद्र दत्ता जी व श्रीमती निशा दत्ता जी की पोती नित्या दत्ता के व पोते राघव दत्ता के जन्मदिन के उपलक्ष्य में उनकी ओर से है। श्री रमेश दत्ता ने अपनी व सभी की ओर से दादा–दादी को बधाई दी व बच्चों की दीर्घायु होने का आशीर्वाद दिया। सभी ने स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया व उन्हें धन्यवाद दिया। अगली मीटिंग 6 मई को होगी।

रमेश दत्ता, *प्रधान* — *मो. 9212557095*

रायज़ादा के.एस. बाली, *महासचिव* — *मो. 9899068573*

यमुनापार-दिल्ली

मोहयाल सभा यमुनापार की अप्रैल महीने की बैठक मोहयाल भवन झील कुरंजा में एक अप्रैल को 27 सदस्यों के साथ संपन्न हुई।

प्रधान सतीश बाली जी ने बैठक की अध्यक्षता की, सर्वप्रथम मोहयाल प्रार्थना का पाठन किया गया तदुपरांत सेक्रेटरी संजीव बाली ने पिछले माह की कार्यवाही को पढ़ कर सुनाया जिस पर सभी सहमति दिखाई। कैशियर अनिल वैद की अस्वस्थता के चलते सचिव ने 31 मार्च तक का लेखाजोखा सभा पटल पर रखा, सभी ने जिसका स्वागत किया। प्रधान सतीश बाली जी ने ऑडिटर श्री एम.एम. वैद से कैशियर के स्वस्थ होते ही ऑडिट करने का सुझाव दिया जिस पर श्री एम.एम. वैद जी अपनी सहमति दर्ज करवाई। ज्ञात रहे नई कार्यकारिणी ने सभा के बैंक एकाउंट दुरुस्त किए, सभा का नया पैन कार्ड भी बनाया गया, सभा ने फरवरी माह में भव्य मोहयाल–मिलन आयोजित किया, मार्च माह के जाते–जाते सभा–भवन का गृह–कर का कार्य भी निबटा दिया गया। ऑडिट के बाद एकाउंट्स डीटेल को मोहयाल मित्र की अगले माह की में भी छापने का प्रयास रहेगा।

वयोवृद्ध बक्शी राजिन्दर कुमार छिब्बर जी ने सभा को सूचित किया कि 15 अप्रैल को उनके पौत्र श्री विश्वनाथ छिब्बर का विवाह निश्चित पाया गया है, इस शुभावसर पर उन्होंने कार्ड देकर सभा को न्योता दिया और मिठाइयां बाँटी। सभी ने उन्हें बधाईयाँ प्रस्तुत की।

सेक्रेटरी सी.पी. दत्ता जी ने सभा की पिछले 10 माह की गतिविधियों से प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि आने वाले महीनों में और अधिक सदस्य बनाए जाने चाहिएं। उपप्रधान श्री विनोद बाली जी ने भी इसी सुझाव पर बल दिया। श्री गुलशन छिब्बर जी ने सभा को सूचित किया कि रिश्ते–नाते सम्बंधित कार्यों के लिए उनसे काफी लोग संपर्क साध रहे हैं।

डॉ. वी.एस. लौ ने अपने कुछ विचार रखे जो उनकी मोहयाल भवन वृदांवन यात्रा से सम्बंधित थे, बुकिंग सम्बन्ध में उन्होंने कुछ सुझाव रखे जिन्हें उपयुक्त अधिकारियों तक पहुँचाया जाएगा।

संजीव बाली ने बताया की वे पिछले दिनों श्री दलीप सिंह दत्ता जी ने मिलने उनके निवास स्थान पर गए थे, उनका स्वास्थ्य अधिक ठीक नहीं रहता। उन्होंने सभा सदस्यों को शुभकामनाएँ भेजी हैं। सभा ने भी उनके स्वस्थ जीवन की कामनाएं की।

डॉ. वी.एस. लौ, श्री दलीप सिंह दत्ता, श्री सतीश बाली, श्री विनोद बाली, संजीव बाली और स्टैंडर्ड फर्नीचर मुख्य दानकर्ता रहे।

अंत में श्रीमती ममता बाली (फरीदाबाद) (पत्नी श्री महेंद्र बाली–पुत्र–श्री मक्खन लाल बाली ऐपटाबाद शेरवान पाक) और श्रीमती उमा मेहता के निधन पर दो मिनट का मौन रखा गया श्रीमती उमा मेहता के परिवार ने एम.एस. यमुनापार को 500 रुपए दान स्वरूप दिए।

अंत में चाय के बाद प्रधान जी ने सभी का धन्यवाद दिया।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

आगरा

आज दिनांक 01.04.2018 को मोहयाल सभा आगरा की मासिक बैठक श्री कामरान जी की पूज्य माता जी श्रीमती सावित्री देवी पत्नी स्व. श्री एम.वी. दत्ता जी के निवास 1, डिफेंस कॉलोनी, आगरा पर श्री अमृत मोहन जी पूर्व लेखा परीक्षक मोहयाल सभा आगरा व श्री कामरान दत्ता जी की संयुक्त अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें लगभग 20 भाई–बहन सम्मलित हुए। जिसमें विशेष रूप से कु. सारा दत्ता, कु. अनुष्का व कामरान जी के पौत्र बेबी मोदक (नन्हा मोहयाल) ने विशेष रूप से भाग लिया। जिसमें सर्वप्रथम मोहयाल प्रार्थना की गई तदोपरांत श्रीमती सुदेश दत्ता पत्नी श्री जाफरान दत्ता व श्री नरेश बाली के सेवा निवृत्ति पर सबने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। श्रीमती कुमुद मेहता, श्री अंकुर मोहन पुत्र श्री ए.वी. मोहन व श्री राजकुमार दत्ता के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

श्रीमती राजरानी पत्नी स्व. श्री ओम प्रकाश दत्ता के आकस्मिक निधन पर शोक प्रकट कर दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति एवं सद्गति की प्रार्थना की।

बैठक में जलपान की सुन्दर व्यवस्था श्री निर्वाण दत्ता एवं श्रीमती गीता दत्ता जी द्वारा की गई, जिसमें सहयोग श्री अंजान व श्रीमती योगिता दत्ता द्वारा किया गया। महिला कमेटी की सदस्याओं द्वारा श्रीमती मधु दत्ता, सुमन दत्ता, श्रीमती शशी वैद आदि ने सभी को आगामी बैसाखी की शुभकामनाएं दी तथा माता श्रीमती सावित्री देवी जी ने 500 रुपए मोहयाल सभा आगरा को प्रदान किए जिसके लिए सभा में उपस्थित सभी ने लोगों ने स्वागत किया व धन्यवाद दिया।

सभा के अंत में गायत्री मंत्र व जय मोहयाल के उद्घोष के साथ सभा का समापन हुआ।

एस.पी. दत्ता, *सचिव*
98974557755

अंबाला कैंट

मोहयाल सभा अंबाला कैंट की मासिक बैठक 01.04.2018 को सायं 4 बजे शिव प्रताप नगर, निवास स्थान नरेश वैद प्रधान जी की अध्यक्षता में आरम्भ हुई। मोहयाल प्रार्थना तथा गायत्री मंत्र उच्चारण उपरांत पिछली मीटिंग की कार्यवाही पढ़कर सुनाई तथा सर्वसम्मति से अनुमोदन हुआ।

शोकः श्रीमती वीना छिब्बर (पूर्व विधायक भाजपा अंबाला शहर) की हृदय गति रुकने के कारण 16 फरवरी 2018 को निधन हो गया था उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

शुभ समाचारः जयन्त वैद सुपुत्र श्री धर्मेंद्र वैद तथा हर्षित वैद सुपुत्र श्री अरुण बाली दोनों अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हुए, उन्होंने मिठाई खिलाकर सदस्यों का मुँह मीठा करवाया। सभी सदस्यों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। श्री एम.एल. दत्ता एचएफओ महासचिव हृदय की बीमारी के कारण कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे हैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना की गई।

प्रस्तावः सभी सदस्यों को अनुरोध किया गया कि बैठक में अधिक से अधिक संख्या में पहुँचने का कष्ट किया करो। श्रीमती निर्मला रानी वैद धर्मपत्नी स्व. बलदेव राज वैद जी की प्रथम पुण्य–तिथि 6 मार्च 2018 को थी। इस अवसर पर उनके सुपुत्र श्री नरेश वैद प्रधान अंबाला कैंट ने जीएमएस को मोहयाल आश्रम हरिद्वार लंगर फंड के लिए 11000 रुपए भेंट किए। (लंगर तिथि 6 मार्च)

दान राशिः लोकल सभा की धर्मेंद्र वैद 500 रु., श्री धर्मवीर बाली 500 रु. सभा द्वारा सेवा निर्वृत के उपलक्ष में दिए गए उपहार व सम्मान के लिए सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया। नरेश वैद प्रधान जी ने सभी का धन्यवाद किया।

अगली मासिक बैठक 6.5.2018 को सायं 5 बजे निवास स्थान श्री धर्मेंद्र वैद 104, दयाल बाग में होगी। धन्यवाद!

नरेश वैद, *प्रधान*
9416754889

बराड़ा

मोहयाल सभा बराड़ा की मासिक बैठक दिनांक 8.04.2018 को सभा के वित्त सचिव श्री बलदेव सिंह दत्ता जी के निवास स्थान में सरदार हरदीप सिंह वैद जी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। गायत्री मंत्रोच्चारण व मोहयाल प्रार्थना के बाद सभा के वित्त सचिव श्री बलदेव सिंह दत्ता जी ने पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई जिस पर सभी ने अपनी सहमति प्रकट की, प्रधान जी ने सभी मोहयाल बहन भाइयों को बैशाखी को शुभकामनाएं दीं।

अंत में सभी सदस्यों ने श्री बलदेव सिंह दत्ता को जलपान के लिए धन्यवाद किया।

रविन्द्र छिब्बर, *सचिव*
9466213488

पानीपत

मोहयाल सभा पानीपत की मासिक बैठक श्री नरेंद्र छिब्बर निवास स्थान पर श्री ऋत मोहन जी की अध्यक्षता में हुई मोहयाल प्रार्थना व गायत्री वंदना के पश्चात निम्न सदस्यों के निधन पर दो मिनट का मौन रखा गया।

1. श्रीमती वीणा छिब्बर जी का निधन हो गया था। वह अंबाला की पूर्व विधायिका थी।

2. श्री राजेश्वर चौधरी दत्ता का गत दिनों देहांत हो गया था।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

3. श्री रघुवीर बक्शी जी का शाहदरा में निधन हो गया था। वह श्री रजनी वैद जी के फूफा जी थे।

इसके पश्चात सदस्यों को 18 मार्च 2018 दिल्ली में आयोजित हुई ए.जी.एम. की विस्तृत जानकारी दी गई। इसमें देश भर से सैकड़ों जी.एम.एस. आजीवन सदस्य शामिल हुए।

मास्टर वंश वैद ने बड़े अच्छे अंक प्राप्त किए, साथ ही संस्कृति वैद ने एम.ए.एस.डी. स्कूल में तैराकी में दूसरा स्थान प्राप्त किया। उनके माता पिता श्रीमती रजनी वैद व श्री नवीन वैद को बधाई दी गई। भाग्या वैद ने भी बढ़िया अंक पाए, उनके माता पिता श्रीमती बबिता वैद व श्री प्रवीण वैद को भी बधाई दी गई। इसी प्रकार से मास्टर विवान दत्ता ने फर्स्ट क्लाश में दूसरी पोजीशन पायी, उनके माता–पिता श्रीमती नेहा दत्ता व श्री नितिन दत्ता को बधाई।

सदस्यों को बताया गया कि मैरिट संस्थान में कम्प्यूटर से सम्बंधित बहुत कोर्स हैं अतः मोहयाल बच्चे उसमें दाखिला ले सकते है, मोहयालों के लिए फीस में छूट नहीं है।

डॉ. लज्जा देवी मोहन जी अस्वस्थ हैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई।

अंत में शांति पाठ से सभा समाप्त हुई। सभा के आयोजन व जलपान की व्यवस्था के लिए श्रीमती अंजू छिब्बर व श्री नरेंद्र छिब्बर का धन्यवाद किया गया।

नरेंद्र छिब्बर, *सचिव*
9416412184

अलवर

आज दिनांक 14 अप्रैल 2018 दत्ता परिवार की तरफ से गुरु वीरम शाही दत्ता के भक्तों ने नया अनाज के आवागमन पर बैसाखी का कार्यक्रम गाँव निर्भयपुरा जिला अलवर में रखा गया, जिसमें बिरादरी के लगभग 40 परिवार मौजूद थे इस उत्सव में गैर समाज के लोगों ने भी प्रीतिभोज में भाग लिया।

उपरोक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता दत्ता परिवार के द्वारा की गई, जिसमें री सुरेश दत्ता सहायक सेक्रेटरी, संजीव दत्ता, योगेश दत्ता, श्याम दत्ता, यूथ सांस्कृतिक सेक्रेटरी अरुण दत्ता, कृष्णा दत्ता, युवराज दत्ता, कार्तिक दत्ता, अर्जुन दत्ता, सोनिया दत्ता, नेहा दत्ता, ज्योति दत्ता, भावना दत्ता, रीना दत्ता सीनियर उप जिलाध्यक्ष डॉ. दलजीत सिंह बाली लेडीज़ सीनियर प्रधान लेक्चरार निशि बाली उप जिला अध्यक्ष, श्री चंद मोहन वैद, मेट्रोमोनियल प्रधान श्रीमती चंचल वैद प्रवक्ता ऑडिटर श्री एन.के. वैद यूथ विंग श्रीमती मंजू वैद कोषाध्यक्ष श्री गिरिराज बाली यूथ विंग सेक्रेटरी, श्रीमती इंदु बाली, भारत बाली, निखिल बाली, भावना वैद।

उपरोक्त कार्यक्रम से बिरादरी को मजबूती मिली। बिरादरी जिला महासचिव राजेश कुमार दत्ता ने आगामी परशुराम जयंती के शुभअवसर पर अलवर की तरफ से संपूर्ण विश्व की बिरादरी को बधाई दी है। एकता में बल होता है। संगठन ही शक्ति है। उपरोक्त कार्यक्रम की अंतिम घोषणा प्रीतिभोज के बाद दत्ता परिवार के द्वारा की गई।

13 अप्रैल 2018 को संरक्षक श्री रोशनलाल बख्शी एवं श्रीमती बख्शी की सालगिरह पर समस्त बिरादरी उनको हार्दिक बधाई देती है।

राजीव बक्शी, *प्रधान* ***राजेश कुमार दत्ता,*** *महासचिव*
8239022878

नजफगढ़

मोहयाल सभा नजफगढ़ की मासिक बैठक 01.04.2018 को प्रधान श्री शेर जंग बाली जी की अध्यक्षता में श्री विनोद बाली जी के निवास स्थान मकान नं. 3, गौतम कॉलोनी कंगनहेड़ी रोड छावला, निकट आशीर्वाद आश्रम, नई दिल्ली 110071 में मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ आरम्भ हुई, जिसमें 21 भाई–बहनों ने भाग लिया। सभा के सचिव श्री हर्ष दत्ता जी ने पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई, वित्त सचिव श्री बलदेव राज दत्ता जी ने लेखा–जोखा पेश किया, जिसका सब सदस्यों ने अनुमोदन किया।

प्रधान जी ने अनुरोध किया कि बैठक में अधिक से अधिक सदस्य भाग लें ताकि बिरादरी में मेल–जोल बना रहे। सभी ने बढ़िया जलपान के लिए श्री विनोद बाली जी का धन्यवाद दिया। मोहयाल सभा नजफगढ़ की अगली बैठक 6 मई 2018 को श्री अनिल कुमार छिब्बर जी के निवास स्थान सीमी हाईट, आर जैड–15, सूदन गार्डन, नियर गुरूद्वारा नजफगढ़, नई दिल्ली 110043 में प्रातः 10 बजे होगी। सभी सदस्यों से उपस्थित होने का अनुरोध है।

शेर जंग बाली, *प्रधान* ***हर्ष दत्ता,*** *सचिव*
9871756765 *9312174583*

महिला सभा देहरादून

महिला सभा देहरादून की बैठक प्रधान श्रीमती सविता मेहता के अध्यक्षता में श्रीमती इंदु दत्ता जी के निवास स्थान पर हुई। सभा की शुरुआत प्रार्थना और गायत्री मंत्र के साथ हुई। इस बार की बैठक में बच्चों से लेकर बड़ों तक सबने खूब मज़े किए और बहुत सारे खेल भी खेले।

अन्त में सभी ने स्वादिष्ट जलपान किया और श्रीमती इंदु बाली दत्ता जी का धन्यवाद किया।

श्रीमती अर्चना दत्ता, *सचिव*
8755398813

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

दिवंगतों को श्रद्धांजलि

स्व. महिन्द्र प्रकाश दत्ता की पहली पुण्य-तिथि

स्वर्गीय श्री महिन्द्र प्रकाश दत्ता सुपुत्र स्व. श्री नन्दकिशोर दत्ता की पहली पुण्यतिथि पर उनके परिवार की ओर से श्रद्धांजलि!

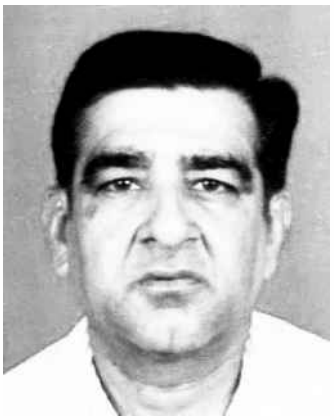

21 अप्रैल 2017 शुक्रवार शाम चार बजे वह दुनिया छोड़ कर चले गए। जो इंसान दुनिया से विदा ले लेता है। वह अपनों के दिल में याद बन कर सदा जिंदा रहता है। श्री महिन्द्र जी बहुत ही नरम दिल इंसान थे। वह किसी का दुःख देख नहीं सकते थे। सबकी मदद करने में आगे रहते थे चाहे इसमें अपना नुकसान ही क्यों न हो जाए।

26 मार्च सोमवार 2018 को उनकी पहली बरसी थी। जो उनके बेटे विपिन दत्ता ने अपने निवास स्थान पर हवन करवा के व ब्रह्मभोज के साथ पंडितों को दान दक्षिणा देकर संपन्न करवाई। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें।

श्री महिन्द्र जी ने अपनी जिंदगी में अपनी परवाह किए बिना हर पल अपने पराए सभी का साथ दिया। हम सब मिलकर उन्हें श्रद्सुमन भेंट करते हैं।

आपकी यादों में आपकी– ***सुनीता दत्ता*** *(पत्नी)*

स्व. श्रीमती राज मेहता की दूसरी पुण्य-तिथि

स्वर्गीय श्रीमती राज मेहता पत्नी स्व. श्री नन्दकिशोर मेहता की दूसरी पुण्यतिथि पर उनके परिवार की ओर से श्रद्धांजलि।

4 अप्रैल 2016 की सुबह हमारी मम्मी चुपचाप दुनिया को अलविदा कह गई। समय की गति कितनी तीव्र है दो साल कैसे बीत गए पता ही नहीं चला!

मम्मी आपके आर्दश हमारे लिए सदैव जीवित रहेंगे। आर्दश व्यक्तित्व कभी नहीं मरता हम आपके इस आदर्श वट वृक्ष को पल्लवित करते रहेंगे, जिससे यह जीवन पंर्यत हमारा मार्ग दर्शन करते रहे।

"माँ एक–एक कर छोड़ चले जाते हैं,
जब दूर कहीं दे जाते आँसू,
ओह और यादें कई।"

हमारी मम्मी बहुत ही खुदार व दिलेर महिला थी वह कभी किसी परेशानी से विचलित नहीं होती थी। वह हमेशा कहा करती थी कभी किसी भी इंसान से कुछ मत मांगो, कोई आशा मत रखो क्यों वह मद्द करके दस बार अहसास कराएगें। आप सीधा ईश्वर से फरियाद करो, जो देकर नहीं पछताता बस उसी पर विश्वास रखो, सुख–दुःख सब उसी के हाथ में है। वो ही इनसे बाहर निकलता है।

"जिसकी छाँव में बरसो बैठे थे कभी,
वह पेड़ इस संसार अब कहाँ होगा।"

हम उनके बच्चे ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए उन्हें श्रद्धा सुमन भेंट करते हैं।

सदा आपकी यादों में आपकी–

सुनीता दत्ता *(बेटी)मो. 9313484396*

श्रीमती निर्मला रानी वैद की पहली पुण्यतिथि

स्वर्गीय श्रीमती निर्मला रानी वैद धर्मपत्नी स्व. श्री बलदेव राज वैद का जन्म 1934 में स्व. श्रीमती जसवंति देवी दत्ता धर्मपत्नी स्व. हरबंस लाल दत्ता जी के घर गोंजरा (पाकिस्तान) में हुआ था। वह धार्मिक विचारों मिलनसार सहायता करने वाली सबकी लोकप्रिय थी सभी प्यार से उन्हें चाई जी कर कर बुलाते थे।

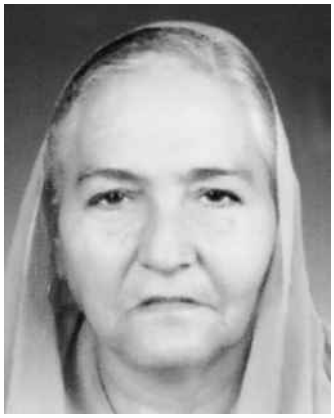

लगभग 76 वर्ष जीवत रही और 6 मार्च 2017 को अपने निवास स्थान शिव प्रताप नगर में स्वर्ग सिदार गई माँ सबका स्थान ले सकती है परन्तु माँ का स्थान कोई नहीं ले सकता, माँ उस वृक्ष के समान होती है जो निःस्वार्थ भाव से सबको छाया प्रदान करती रहती है। वे अपने पीछे नरेश वैद (सुपुत्र) सवीता वैद (पुत्रवधु), राकेश वैद (सुपुत्र) नीरज वैद (पुत्रवधु), स्नेहलता छिब्बर (पुत्री) शादिलाल छिब्बर (दामाद), नीलम दत्ता (सुपुत्री) सुनील दत्ता (दामाद), पौत्र कपिल वैद, सौरभ वैद, पौत्रियां स्वाती दत्ता, दीक्षा वैद।

उनकी प्रथम पुण्य–तिथि 6 मार्च 2018 को थी। इस अवसर पर उनके पुत्र नरेश वैद ने 11000 रुपए लंगर फंड मोहयाल आश्रम हरिद्वार में दान स्वरूप भेंट किए।

नरेश वैद *(सुपुत्र), प्रधान एम.एस. अंबाला कैंट*
मो. 9416754889

स्व. श्रीमती निर्मला मेहता की बरसी पर शांति यज्ञ

दिनांक 21.03.2018 को श्री एम.एम. मेहता की धर्मपत्नी श्रीमती निर्मला मेहता की बरसी के अवसर पर वैदिक विद्वान आचार्य चन्द्रशेखर शास्त्री के ब्रह्मत्व में बरसी यज्ञ सम्पन्न हुआ।

इनके सुपुत्र श्री प्रदीप मेहता पुत्रवधू श्रीमती आराधना मेहता, सुपुत्र श्री गिरीश मेहता पुत्रवधू श्रीमती सीमा मेहता, सुपुत्री

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

श्रीमती रेखा मेहता दामाद श्री अनिल मेहता, सुपुत्री पूजा मेहता एवं परिवार जन घृत सामग्री की आहुतियां प्रदान की।

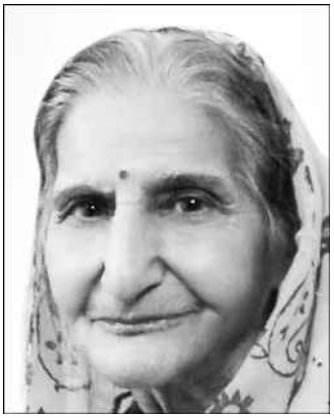

आचार्य चन्द्रशेखर शास्त्री जी ने कहा कि श्रीमती निर्मला मेहता जी कर्तव्य पारायणा, धर्मनिष्ठा, परमयणिक, परोपकारी, दयालु एवं आदर्श महिला थी। उनके निधन से परिवार एवं समाज की अर्पूणीय क्षति हुई है।

ईश्वर स्व. श्रीमती निर्मला मेहता जी की आत्मा को शांति एवं सद्गति प्रदान करें। तथा परिवार जनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ममतामयी श्रीमती निर्मला मेहता जी महान थी। उन्हें शत् शत् नमन् श्री मदन मोहन मेहता 143ए/5ए, गली नं 7, न्यू महावीर नगर, नई दिल्ली 110018 ने 1000 रुपए जी.एम. एस. को भेंट किए।

स्व. श्री सतपाल मैहता की चौथी पुण्य-तिथि

"कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन"

गीता के इस श्लोक को अपने जीवन में पूर्णतया उतारने वाले हमारे डैडी श्री सतपाल मेहता जी को गए चार साल हो गए

हैं। 17 अप्रैल 2014 को उन्होंने अपने घर पर ही अंतिम सांस लिए थे। उनके बताए आदर्शों पर ही हम चारों बच्चे अपने जीवन यापन कर रहे हैं। शायद दुनियादारी के मामले में हम उतने सफल न हो, किन्तु रिश्ते और संबंध जोड़े रखने में हमें डैडी की सीख ही काम आ रही है। उन्होंने अपना जीवन निःस्वार्थ सेवा में ही बिताया। विषम परिस्थितियों में भी संयम बनाए रखना, अतिथि सत्कार, वाक्पटुता और जहाँ तक हो सके सबकी मदद करना, ये सब ही उनके जीवन के कुछ प्रमुख गुण थे।

उनके बेटे–बहुएं, बेटी–दामाद, पोते–पोतियां, दोहता–दोहती सभी उनको प्रतिदिन किसी न किसी संदर्भ में याद करते ही रहते हैं। हमारी मम्मी श्रीमती सुदर्शन मेहता उनकी चौथी पुण्यतिथि पर 500 रुपए मोहयाल सभा वेस्ट ज़ोन एवं 500 रु. जी.एम.एस. को भेंट करती है।

डॉ. (श्रीमती) सुदर्शन मेहता *ई–39, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली–110008 मो. 8800296352*

स्व. भाई अमरनाथ छिब्बर की चौथी पुण्य-तिथि

भाई अमरनाथ छिब्बर पुत्र श्री रामपाल छिब्बर की चतुर्थ पुण्यतिथि दिनांक 05.03.2018 को थी। समय अबाधगति से व्यतीत हो गया। पिता जी के रिक्त स्थान की पूर्ति संभव नहीं है। आपके सादा जीवन एवं उच्च विचार की परिकल्पना को परिवार भली–भाँति अनुपालन कर रहा है। आपका साथ एवं आशीर्वाद हमेशा परिवार के साथ रहा है, और रहेगा। आपकी स्मृतियाँ हमेशा–हमेशा हृदय में ताजा रहती है। आपके द्वारा प्रदत्त शिक्षा एवं सिद्धान्त को परिवार ने संजोकर रखा है तथा आपके द्वारा किए गए कठिन परिश्रम एवं संघर्ष को हमेशा याद किया जाता है।

हार्दिक श्रद्धांजलि सहित परिवार 1000 रुपए जी.एम.एस. (शिक्षा निधि) को भेंट कर रहा है।

पुत्रगण– भाई विद्यासागर छिब्बर, भाई प्रेम सागर छिब्बर, भाई विनोद कुमार छिब्बर, भाई वेदरतन छिब्बर, भाई शिवसागर छिब्बर, निवासी मो.–अर्जुनपुरवा, लखीमपुर खीरी (उ.प्र.) मो. 7499062444

"घरेलू नुस्ख"

छाछ– तेज और ओज बढ़ाने के लिए छाछ का निरंतर सेवन बहुत लाभदायक है। दिन में एक बार छाछ अवश्य पीयें। भोजन में पानी के स्थान पर छाछ का प्रयोग करें।

सौंठ– सामान्य बुखार, जुकाम और कफ़ से बचने के लिए आधा चम्मच पीसी हुई सौंठ और थोड़ा गुड़ एक गिलास पानी में डाल कर घोलकर इतना उबाले कि वह आधा रह जाए। रात को सोने से पहले पीएँ। अगर सौंठ न हो तो अदरक का प्रयोग भी कर सकते हैं।

सरसों का तेल– सर्दियों में गर्म सरसों का तेल और गर्मियों में ठंडा सरसों का तेल तीन बूँद दोनों कान में डालते रहें। कान में मैल नहीं जमेगी और सुनने की शक्ति भी तेज होगी।

आँवला– किसी भी रूप में आँवले का प्रयोग रोज़ करने से उच्च रक्तचाप और हार्ट फेल की संभावना बहुत ही कम अर्थात् नहीं होती।

ताँबे के बर्तन मे पानी– रात को ताँबे के बर्तन में रखा पानी सुबह उठकर बिना कुल्ला किए ही पीयें। लगातार ऐसा करने से बीमारी से बचाव रहेगा। ताँबे के बर्तन में रखा जल गंगा जल से भी अधिक शक्तिशाली माना गया है।

मैथी– मैथी दाना पीस कर एक चम्मच एक गिलास पानी में उबाल कर रोज पीयें। मीठा, नमक कुछ न मिलाएँ। इससे पेट ठीक रहेगा। शूगर कंट्रोल में रहेगी। जोड़ों के दर्द नहीं होंगे और पेट भी ठीक रहेगा।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

गायत्री महामंत्र

ओउम् भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो।
देवस्य धीमहि, धियो योनः प्रचोदायत्।।

शब्दार्थ –

ओइम् – सर्वरक्षक परमात्मा अर्थात् जो सब की रक्षा करने वाला है।

भुवः – प्राणों से प्यारा अर्थात् जो हमें बहुत चाहता है, जो प्राणों से भी अधिक है।

स्वः – सुख स्वरूप है अर्थात् सभी प्रकार के सुखों को देने वाला है और वह स्वयम् सुख का स्वरूप है।

तत् – उस अर्थात् वह महाशक्ति जिसने इस संसार की रचना की है।

सवितुः – उत्पादक, प्रेरक अर्थात् संसार को प्रकाश देने वाला और प्रेरणा देने वाला है।

देवस्य – भगवान के, इष्ट के अर्थात् देवस्वरूप परमात्मा है।

वरेण्यं – वरने योग्य अर्थात् वह धारण करने योग्य है, अपनी आत्मा में समाने योग्य है।

भुर्गः – शुद्ध ज्ञान का स्वरूप अर्थात् परमात्मा हमारी बुद्धि को अज्ञान से मुक्त कर ज्ञान का प्रकाश करने वाला है।

धीमहि – हम ध्यान करें अर्थात् हमें उसका सिमरन करना चाहिए, उसका मनन करना चाहिये।

यः – जो अर्थात् वह परमात्मा हमारा रक्षक सुख देने वाला, ज्ञान का प्रकाश करने वाला है।

नः – हमारी अर्थात् वह परमशक्ति हमारी रक्षा करने वाली है।

धियो – बुद्धियों को अर्थात् वह हमारी बुद्धि को ज्ञान रूपी प्रकाश देता है।

प्रचोदयातः – शुभ कार्यों में प्रेरित करें अर्थात् उससे प्रेरित होकर शुभ कार्य करने चाहियें।

गायत्री महामन्त्रा चारों वेदों का सूक्ष्म रूप है जिसे चौबीस ऋषियों की चौबीस ऋचाएँ भी कहा जा सकता है। इस महामन्त्र का भाव है:– उस प्राण स्वरूप, दुखनाशक, सुखों का दाता, श्रेष्ठ, तेजस्वी पापनाशक, देव स्वरूप परमात्मा को हम अन्तरात्मा में धारण करें ताकि वह परमपिता परमात्मा हमारी बुद्धि को शुभ एवं अच्छे कार्यों के लिए प्रेरित करे।

यदि हम अधिक भजन–पाठ नहीं कर सकते क्योंकि इस भौतिकवादी युग में समय निकालना आसान नहीं फिर भी इस लोक और परलोक को ध्यान में रखते हुए इस मन्त्र का प्रातः या सायं एक बार अवश्य जाप करना चाहिये। यह मंत्र ज्ञान का दीप और श्रृद्धा की जाती है जो कि शुद्ध मनोरथ को देने वाला है। इसका जाप करने से प्राणी संकट से मुक्ति पाता है, सुख–सम्पदा को प्राप्त करता है और मुक्ति भुक्ति को सरलता से पा लेता है।

भगवान सूर्य देव के परिवार में पाँच पुत्र व दो पुत्रियाँ थी

पाँच पुत्रों के नामः 1. वैवस्वत मनु 2. यम, धर्मराज 3. शनि देव 4. भाग्य देव 5. अश्विनी कुमार

पुत्रियाँः 1. यमुना देवी 2. ताप्ति देवी

वैवस्वत् मनुः यह श्राद्ध देव है। पितृलोक के अधिकारी हैं। इन्होंने ही भूलोक पर सृजन का कार्य किया था।

यमराजः यह मृत्यु के देवता है। जीवन–मरण इन्हीं के नियन्त्रण में है।

शनि देवः यह न्यायप्रिय एवं दण्डाधिकारी है। यह सूर्य देव की दूसरी पत्नी छाया के पुत्र है।

भाग्य देवः यह किसी से कुछ भी ले सकते है एवं दे भी सकते है। सूर्य देव का इन्हें वरदान प्राप्त है।

अश्विनी कुमारः ये देवताओं के वैद्य है इनके पास शरीर से जुड़ी हर समस्या का समाधान है।

यमुना देवीः यह शांत नदी है, इनका बेग सामान्य रहता है। इसमें स्नान करने से यम प्रताड़ना से मुक्ति मिलती है।

ताप्ती देवीः इनका स्वभाव यमुना के विपरीत है। इनका वेग तीव्र व स्वभाव प्रचण्ड हैं। इसमें स्नान करने से पितृगण तृप्त होते हैं, शनि साढ़ेसाती से भी छुटकारा मिलता है।

नोटः सूर्य संक्राति मेष राशि में शनिवार 14.04.2018 को है।

विरेन्द्र शिब्बर *(ज्योतिष आचार्य) (ज्योतिष रत्न),*
EA-94, इन्द्रपुरी, नई दिल्ली 110012 मो. 9818094655,
25836890 (R)

भूल सुधार

अप्रैल माह के अंक में पेज संख्या 49 में श्रीमती नीलम लौ का निधन की पहली लाईन में नीलम लौ की जगह निलिमा लौ छप गया है। कृपया नीलम लौ पढ़े।–*दुर्गा दास लौ, जम्मू*

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor